भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2964
बुधवार, 06 अगस्त, 2025 उत्तर देने के लिए

बिहार में तारामंडल या अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र

2964. श्री राजेश रंजनः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का बिहार में एक आधुनिक तारामंडल या अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और इसके लिए कितना बजट आवंटन और समय-सीमा प्रस्तावित है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का बिहार जैसे पिछड़े क्षेत्र में विज्ञान और अंतरिक्ष शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में ऐसी कोई परियोजना शुरू करने का विचार है ताकि स्कूली छात्रों और युवाओं में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति वैज्ञानिक सोच और रुचि विकसित हो सकेः और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानंमत्री कार्यालय में राज्यमंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) और (ख)

अभी तक, बिहार में आधुनिक तारामंडल/अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। हालाँकि, यदि संबंधित हितधारक (हितधारकों) से ऐसे प्रस्ताव प्राप्त होते हैं तो विभाग सकारात्मक रूप से कार्य करेगा और बिहार में आधुनिक तारामंडल की स्थापना के लिए ऐसी पहलों का समर्थन करेगा।

..2/-

(ग) और (घ)

हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बिहार सहित विभिन्न राज्यों में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्रों को प्रेरित और प्रशिक्षित करने तथा बिहार राज्य में विज्ञान और अंतरिक्ष संबंधी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई शैक्षिक आउटरीच कार्यक्रम शुरू किए हैं। उल्लेखनीय पहलों में युविका, स्पेस ट्यूटर्स एवं स्पेस ऑन व्हील्स बस शामिल हैं। इसरो अपने अभिनव "स्पेस ऑन व्हील्स" आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से युवा मन को प्रेरित और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा को बढ़ावा देता रहा है। यह मोबाइल प्रदर्शनी पहल अंतरिक्ष अन्वेषण के चमत्कारों को सीधे भारत भर के छात्रों और समुदायों तक पहुँचाती है, जिससे दूर-दराज के इलाकों में भी विज्ञान की पहुंच सुलभ हो जाती है। तेलंगाना, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में हाल के कार्यक्रमों ने इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों और शैक्षिक सामग्री के माध्यम से जनता को जोड़ने की इसरो की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है।

हाल ही में, झारखंड और बिहार में स्पेस ऑन व्हील्स कार्यक्रम ने 20 विभिन्न स्थानों पर गांवों, कस्बों और शैक्षणिक संस्थानों को शामिल करते हुए प्रभावशाली रूप से 30,000 व्यक्तियों तक अपनी पहुंच बनाई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि अंतरिक्ष अन्वेषण का रोमांच भौगोलिक बाधाओं से परे है।

****